मध्यमा–2
MADHYAMA–2

दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास
दि. 21 फ़रवरी, 2021

समय : 2½ घंटे] **[पूर्णांक : 100**

1. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए :– **5**

(1) ताई कौन थीं और उनका नाम क्या था?
(2) भोजन की जाँच देविंदरलालजी ने कैसे की?
(3) "अकबरी लोटा" कहानी के कहानीकार कौन हैं?
(4) लोटा कहाँ से और किसपर गिरा?

2. किसी एक कहानी का सारांश लिखिए :– **10**

(1) ताई (2) शरणदाता (3) अकबरी लोटा

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए :– **5**

(1) श्रीरामचंद्रजी का जन्म किस युग में हुआ था?
(2) दुर्मुख कौन था?
(3) दुर्मुख की रिपोर्ट सुनकर श्रीरामचंद्रजी ने क्या निर्णय किया?
(4) सीताजी को कौन वन ले गये?

4. किसी एक पाठ का सारांश लिखिए :– **10**

(1) दुर्मुख की रिपोर्ट
(2)श्रीरामचंद्रजी का इरादा
(3) सीताजी का दुख
(4) लव-कुश का जन्म और विद्याध्ययन

5. किन्हीं चार का लिंग बदलिए :– **4**

(1) बेटा (2) भाई (3) पति (4) चूहा (5) मोर
(6) नर (7) राजा (8) विद्वान (9) धोबी (10) पंडित

6. किन्हीं चार का वचन बदलिए :– **4**

(1) रुपया (2) कपड़ा (3) अध्यापक (4) शेर (5) फल
(6) रोटी (7) रात (8) किताब (9) लता (10) बुढ़िया

7. किन्हीं चार अंकों को अक्षरों में लिखिए :– **4**

(1) 20 (2) 33 (3) 45 (4) 52 (5) 91

8. वाच्य बदलिए :– **4**

(1) मोती ने यह काम किया।
(2) हमसे अंग्रेज़ी नहीं बोली जाती।

9. वाक्य जोड़िए :– **4**

(1) कुत्ता उठा। वह भाग गया।
(2) वह बोलना चाहती थी। वह चुप रही।

10. किन्हीं पाँच वाक्यों का शुद्ध रूप लिखिए :– **5**

(1) यह एक किताब। (2) मैंने एक रुपया पूछा। (3) उसको पूछो।
(4) गाँधीजी ने देश को सेवा की। (5) मैं उसके घर को गया। (6) कुछ पानी दीजिए।

11. कलम की दूकान में – दूकानदार और एक लड़के की बातचीत लिखिए। **10**

(या)

होटल में – होटलवाले और मुसाफ़िर की बातचीत लिखिए।

12. अपने अध्यापक के नाम पर छुट्टी माँगते हुए एक पत्र लिखिए। **10**

(या)

अपने मित्र के नाम पर हिंदी सीखने की आवश्यकता बतलाते हुए एक पत्र लिखिए।

13. किसी एक शीर्षक पर निबंध लिखिए :– **10**

(1) गाय (2) मेरा नगर (3) हमारा देश

14. अपनी प्रांतीय भाषा में अनुवाद कीजिए :– **5**

मुझे पहाड़ की चोटी पर पहुँचना था और कम हो रहा था। जंगल में बाघ अपने शिकार पर चार या पाँच बजे ही आ जाता है; इसलिए मैं बड़ा सावधान होकर चल रहा था। कड़ी चढ़ाई पर मैं चला जा रहा था। एक–एक पैर संभलकर रखता जा रहा था। एक झाड़ी के आसपास चिड़ियाँ कुछ विचित्र रूप से चिड़चिड़ा रही थीं। उधर जो देखा, तो हृदय की धड़कन एकदम बढ़ गयी। सामने तीन सौ गज़ पर झाड़ी के पास बाघ खड़ा हुआ दिगदर्शन कर रहा था।

15. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :– **10**

After Babar had ruled over Delhi for four or five years his dear and the only son fell ill. In spite of the best treatment his illness became worse and worse. One of the courtiers said, "If you sacrifice one of the things which is dearest to you, he will get well." On this Babar said, "Yes, I am ready to sacrifice my life to save my son."

(अंग्रेज़ी)

தில்லி அரியணையில் அமர்ந்து நான்கைந்து ஆண்டுகளுக்குப் பிறகு பாபருடைய அன்பான ஒரே மகன் ஹூமாயூன் நோயுற்றான். மிகுந்த மருத்துவம் செய்தும் அவனுடைய நோய் அதிகரித்து வந்தது. அரச சபையினரில் ஒருவர் சொன்னார். 'தாங்கள் தங்களுடைய மிக விருப்பமான ஒரு பொருளை துறந்து விடுவீர்களேயானால் தங்களுடைய மகன் குணமடைவான்.' இதன் பின் பாபர் சொன்னார் - 'என்னுடைய அன்பு மகனுக்காக நான் என்னுடைய உயிரையே துறந்துவிடத் தயாராக இருக்கிறேன்'.

(तमिल)

బాబరు ఢిల్లీ సింహాసనము అధిష్ఠించిన నాలుగైదు సంవత్సరముల తరువాత అతని ఏకైక పుత్రుడు హుమాయూన్ జబ్బు పడ్డాడు. శ్రేష్ఠమైన మంచి చికిత్స చేయబడినప్పటికీ అతని జబ్బు పెరుగుతూనే ఉండెను. సభాసదులలో ఒకడు ఇలా అన్నాడు - "మీరు మీకు అత్యంత ప్రియమైన ఏదైన ఒక వస్తువును త్యజించినట్లయితే మీకుమారుడు తప్పక ఆరోగ్యవంతుడౌతాడు." దాని మీదట బాబరు యిలా అన్నాడు - "నేను నా కుమారునికోసం నా ప్రాణాలు అర్పించటానికైనా సిద్ధంగా ఉన్నాను."

(तेलुगु)

ದಿಲ್ಲಿಯ ಸಿಂಹಾಸನ ಏರಿದ ನಾಲ್ಕು ವರ್ಷಗಳನಂತರ ಬಾಬರನ ಪ್ರೀತಿಯ ಹಾಗೂ ಏಕೈಕ ಪುತ್ರನಾದ ಹುಮಾಯೂನ ಅನಾರೋಗ್ಯ ಪೀಡಿತನಾಗಿದ್ದು. ಉನ್ನತ ಚಿಕಿತ್ಸೆ ನೀಡಿದರೂ ಚಿಕಿತ್ಸೆ ಫಲಕಾರಿಯಾಗದೇ ಆರೋಗ್ಯ ಇನ್ನಷ್ಟು ಹದಗೆಟ್ಟಿತು. ಆಗ ಆಸ್ಥಾನಿಕರಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬ ನಿದ್ದು ನಿಂತು "ನೀವು ನಿಮ್ಮ ಅತ್ಯಂತ ಪ್ರೀತಿಯ ಯಾವುದಾದರೊಂದು ವಸ್ತುವನ್ನು ತ್ಯಾಗ ಮಾಡಿದರೆ ನಿಮ್ಮ ಮಗನು ಅವಶ್ಯವಾಗಿ ಗುಣಮುಖ ಹೊಂದುವನು" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು. ಆಗ ರಾಜನು "ನಾನು ನನ್ನ ಮಗನಿಗಾಗಿ ನನ್ನ ಜೀವವನ್ನು ಕೊಡಲು ಸಿದ್ಧ" ಎಂದು ಹೇಳಿದನು.

(कन्नड़)

ബാബർ നാലു കൊല്ലം ദൽഹിയിൽ രാജ്യം ഭരിച്ചു. അപ്പോൾ അയാളുടെ പ്രിയപ്പെട്ട ഏകമകൻ രോഗം പിടിപെട്ടു് കിടപ്പിലായി. മേത്തരം ചികിത്സകൾ നടത്തിയിട്ടും രോഗം അനുദിനം വർദ്ധിച്ചുകൊണ്ടിരുന്നു. ദർബാറിലെ ഒരു സഭാംഗം പറഞ്ഞു--"അങ്ങു് അങ്ങേയ്ക്കു ഏറ്റവും പ്രിയപ്പെട്ട വസ്തുക്കളിൽ ഒന്നു് ഉപേക്ഷിയ്ക്കുമെങ്കിൽ കുട്ടിയുടെ രോഗം മാറും." അതുകേട്ടപ്പോൾ ബാബർ പറഞ്ഞു-- "ഞാൻ എന്റെ സ്വന്തം ജീവൻ എന്റെ മകനുവേണ്ടി ഉപേക്ഷിയ്ക്കാൻ തയ്യാറാണു്".

(मलयालम)

~ ~ ~ ~ ~